चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10.8.24	3	1-3

एचएयू में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा दें : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी है। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तापमान रोधी नई-नई किस्में व नई तकनीक विकसित करने के लिए और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज ने कही।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में असमय तापमान की बढ़ोतरी से निपटने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्यों एवं अनुसंधानों के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाकर कार्य करना होगा। रिफ्रेशर कोर्स में सभी वैज्ञानिकों ने अपना एक-एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान किए गए विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जबकि प्रशिक्षण सह समन्वयक डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. जयंती टोकस ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10.8.24	4	3-6

कृषि क्षेत्र में नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस रिफ्रेशर कोर्स में हकृवि व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी है। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तापमान रोधी नई-नई किस्में व नई तकनीक विकसित करने के लिए और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। रिफ्रेशर कोर्स में सभी वैज्ञानिकों ने अपना एक-एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ। • पीआरओ

15 दिन में रिसर्च प्रोजेक्ट सौंपने के निर्देश दिए : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों को 15 दिन में इस रिसर्च प्रोजेक्ट को संबंधित एजेंसी को सौंपने के निर्देश दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. अतुल ढींगड़ा ने रिफ्रेशर कोर्स के बारे में जानकारी दी। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डा. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान किए गए विषयों के बारे में जानकारी दी।

हकृवि में प्राकृतिक खेती संवाद कार्यशाला कल, गुजरात के राज्यपाल आएंगे

जासं• हिसार: प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा इंदिरा गांधी आडिटोरियम में 11 अगस्त को प्राकृतिक खेती संवाद कार्यक्रम को लेकर कार्यशाला होगी। इसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत बतौर मुख्य अतिथि प्राकृतिक खेती बारे में किसानों से संवाद एवं समीक्षा करेंगे। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डा. राजबीर सिंह ने प्राकृतिक खेती की कार्यशाला को सफल बनाने के लिए आयोजित की गई अधिकारियों की बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि 1200 किसानों सहित कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी भाग लेंगे। बैठक दौरान डा. सोमप्रकाश, डा. अरुण यादव, डा. शमशेर ढुल, डा. नवीन राठी, डा. प्रियंका, डा. गरिमा दहिया, विरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.8.24	2	3-5

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ

रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स का समापन

हिसार, 9 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस रिफ्रैशर कोर्स में हकृवि व लुवास के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी है। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तापमान रोधी नई-नई किस्में व नई तकनीक विकसित करने के लिए और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में असमय तापमान की बढ़ौतरी से निपटने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्यों एवं अनुसंधानों के लिए महत्वकांक्षी योजना बनाकर कार्य करना होगा।

इसके साथ-साथ नए उत्पादों को विकसित करने वाले अनुसंधान और नई प्रौद्योगिकियों के माध्यम से छोटे किसानों को नवीनतम तकनीकों के माध्यम से कम लागत में अधिक पैदावार की ओर अग्रसर करके उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कृषि क्षेत्र में आने वाली मुख्य चुनौतियों पर अधिक से अधिक शोध करने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने की हिदायत दी।

कुलपति ने कार्यक्रम के समापन अवसर पर कोर्स में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.8.24	4	1-3

कुलपति ने वैज्ञानिकों को 15 दिन में रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी को सौंपने के दिए निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से आयोजित किए गए इस रिफ्रेशर कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। रिफ्रेशर कोर्स में सभी वैज्ञानिकों ने अपना एक-एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. कांबोज ने वैज्ञानिकों को 15 दिन में इस रिसर्च प्रोजेक्ट को संबंधित एजेंसी को सौपने के निर्देश दिए।

समापन अवसर पर कोर्स में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इस मौके पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ,डॉ. जितेंद्र भाटिया, डॉ. जयंती टोकस आदि मौजूद रहे।

हिसार एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स के समापन पर उपस्थित कुलपति व अन्य। स्रोत प्रशासन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	10.8.24	4	2-4

कृषि में आत्मनिर्भरता को अनुसंधानः वीसी

■ एचएयू में रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया है कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी है। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तापमान रोधी नई-नई किस्में व नई तकनीक विकसित करने के लिए और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शुक्रवार को 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस रिफ्रेशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में असमय तापमान की बढ़ोतरी से निपटने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्यों एवं अनुसंधानों के लिए महत्वकांक्षी योजना बनाकर कार्य करना होगा।

छोटे किसानों का रखें ख्याल

नए उत्पादों को विकसित करने वाले अनुसंधान और नई प्रौद्योगिकियों के माध्यम से छोटे किसानों को नवीनतम तकनीकों के माध्यम से कम लागत में अधिक पैदावार की ओर अग्रसर करके उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कृषि क्षेत्र में आने वाली मुख्य चुनौतियों पर अधिक से अधिक शोध करने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने की हिदायत दी। कुलपति प्रो. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को 15 दिन के अंदर-अंदर इस रिसर्च प्रोजेक्ट को संबंधित एजेंसी को सौपने के निर्देश दिए। कुलपति ने कार्यक्रम के समापन अवसर पर कोर्स में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान किए गए विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	09.08.2024	---	--

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए इस रिफ्रेशर कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए नए अनुसंधानों को बढ़ावा देना जरूरी है। कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए तापमान रोधी नई-नई किस्में व नई तकनीक विकसित करने के लिए और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में असमय तापमान की बढ़ोतरी से निपटने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को शोध कार्यों एवं अनुसंधानों के लिए महत्वकांक्षी योजना बनाकर कार्य करना होगा। इसके साथ-साथ नए उत्पादों को विकसित करने वाले अनुसंधान और नई प्रौद्योगिकियों के माध्यम से छोटे किसानों को नवीनतम तकनीकों के माध्यम से कम लागत में अधिक पैदावार की ओर अग्रसर करके उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। उन्होंने वैज्ञानिकों से कृषि क्षेत्र में आने वाली मुख्य चुनौतियों पर अधिक से अधिक शोध करने एवं किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि शोध कार्यों, नई कृषि तकनीकों, नवाचारों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में आने वाली समस्याओं का निराकरण करने पर ज्यादा से ज्यादा कार्य करें। रिफ्रेशर कोर्स में सभी वैज्ञानिकों ने अपना एक-एक रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने वैज्ञानिकों को 15 दिन के अंदर-अंदर इस रिसर्च प्रोजेक्ट को संबंधित एजेंसी को सौपने के निर्देश दिए। कुलपति ने कार्यक्रम के समापन अवसर पर कोर्स में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान किए गए विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।